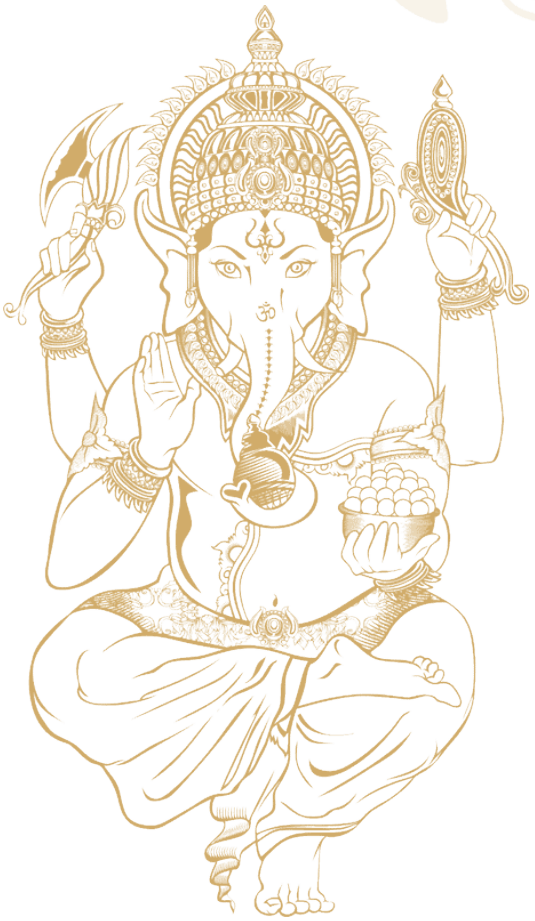

Tt

04 Feb 2001

07:45 AM

Dehradun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121590414

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/02/2001**
दिन	रविवार
जन्म समय	**07:45:00 घंटे**
इष्ट	01:34:53 घटी
स्थान	**Dehradun**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	78:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:27:12 घंटे
वेलान्तर	-00:13:57 घंटे
साम्पातिक काल	16:24:29 घंटे
सूर्योदय	07:07:02 घंटे
सूर्यास्त	17:56:46 घंटे
दिनमान	10:49:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	21:27:37 मकर
लग्न के अंश	02:23:50 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ऐन्द्र
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वू-वुभेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	02:23:50	479:15:10	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
सूर्य			मक	21:27:37	01:00:50	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	23:07:05	14:09:59	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	मूलत्रिकोण
मंगल			वृश्चि	00:23:26	00:32:37	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	स्वराशि
बुध	व		कुंभ	06:49:37	00:00:08	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
गुरु			वृष	07:28:54	00:01:59	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	07:14:20	00:50:53	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	उच्च राशि
शनि			वृष	00:17:15	00:01:08	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	मित्र राशि
राहु			मिथु	21:20:19	00:01:04	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	उच्च राशि
केतु			धनु	21:20:19	00:01:04	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
हर्ष		अ	मक	26:38:07	00:03:28	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप		अ	मक	12:43:47	00:02:16	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	20:55:05	00:01:22	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			वृश्चि	14:01:23	--	अनुराधा	--	17	मंगल	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:05

लग्न-चलित

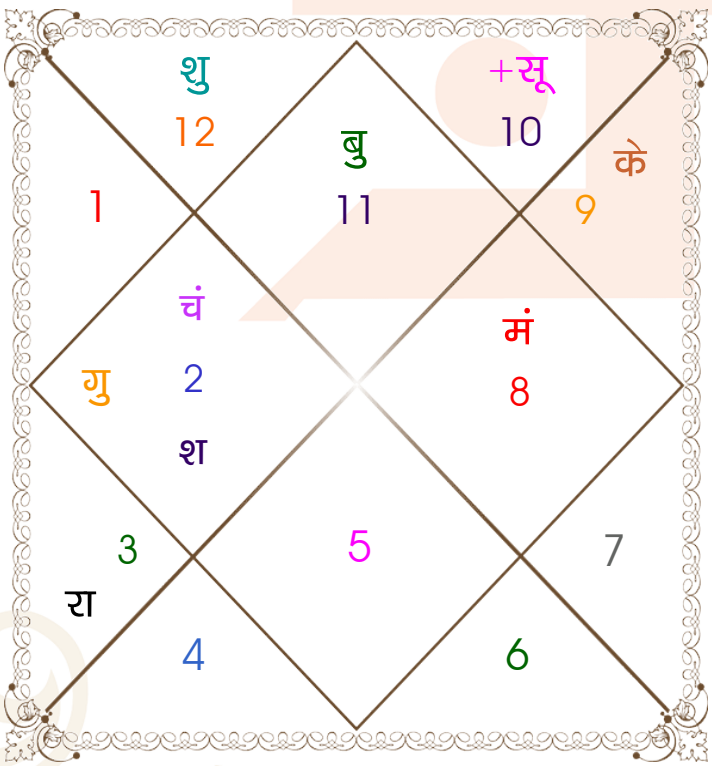

चन्द्र कुंडली

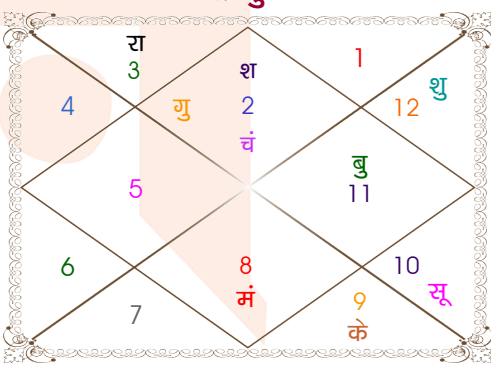

नवमांश कुंडली

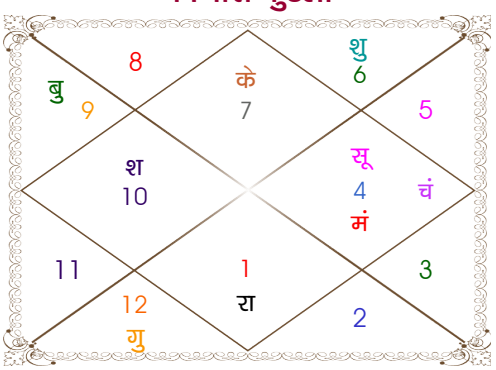

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 1 मास 28 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
04/02/2001		04/04/2001		04/04/2008		04/04/2026		04/04/2042	
04/04/2001		04/04/2008		04/04/2026		04/04/2042		04/04/2061	
	00/00/0000	मंगल	31/08/2001	राहु	16/12/2010	गुरु	22/05/2028	शनि	07/04/2045
	00/00/0000	राहु	18/09/2002	गुरु	10/05/2013	शनि	04/12/2030	बुध	16/12/2047
	00/00/0000	गुरु	25/08/2003	शनि	16/03/2016	बुध	10/03/2033	केतु	24/01/2049
	00/00/0000	शनि	03/10/2004	बुध	04/10/2018	केतु	14/02/2034	शुक्र	25/03/2052
	00/00/0000	बुध	30/09/2005	केतु	22/10/2019	शुक्र	15/10/2036	सूर्य	07/03/2053
	00/00/0000	केतु	26/02/2006	शुक्र	22/10/2022	सूर्य	04/08/2037	चंद्र	07/10/2054
	00/00/0000	शुक्र	29/04/2007	सूर्य	16/09/2023	चंद्र	04/12/2038	मंगल	15/11/2055
	04/02/2001	सूर्य	03/09/2007	चंद्र	16/03/2025	मंगल	09/11/2039	राहु	21/09/2058
सूर्य	04/04/2001	चंद्र	04/04/2008	मंगल	04/04/2026	राहु	04/04/2042	गुरु	04/04/2061

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
04/04/2061		04/04/2078		04/04/2085		05/04/2105		05/04/2111	
04/04/2078		04/04/2085		05/04/2105		05/04/2111		05/02/2121	
बुध	31/08/2063	केतु	31/08/2078	शुक्र	03/08/2088	सूर्य	23/07/2105	चंद्र	04/02/2112
केतु	28/08/2064	शुक्र	31/10/2079	सूर्य	04/08/2089	चंद्र	22/01/2106	मंगल	04/09/2112
शुक्र	28/06/2067	सूर्य	07/03/2080	चंद्र	04/04/2091	मंगल	30/05/2106	राहु	06/03/2114
सूर्य	04/05/2068	चंद्र	06/10/2080	मंगल	03/06/2092	राहु	24/04/2107	गुरु	06/07/2115
चंद्र	03/10/2069	मंगल	04/03/2081	राहु	04/06/2095	गुरु	10/02/2108	शनि	03/02/2117
मंगल	01/10/2070	राहु	23/03/2082	गुरु	02/02/2098	शनि	22/01/2109	बुध	05/07/2118
राहु	19/04/2073	गुरु	27/02/2083	शनि	05/04/2101	बुध	28/11/2109	केतु	03/02/2119
गुरु	26/07/2075	शनि	07/04/2084	बुध	04/02/2104	केतु	05/04/2110	शुक्र	04/10/2120
शनि	04/04/2078	बुध	04/04/2085	केतु	05/04/2105	शुक्र	05/04/2111	सूर्य	05/02/2121

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 0 वर्ष 1 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म धनिष्ठा नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर तुला राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नादिक समन्वित आकृति से ऐसा सूचित हो रहा है कि आप एक सैद्धांतिक व्यक्ति हैं। आपका लक्ष्य सर्वोतम जीवन की प्राप्ति है न कि किसी भी प्रकार से धन संचय करना। आप धन को मात्र आवश्यकता की पूर्ति का साध्य समझते हैं। आप धन को संसार का अस्तित्व समझते हैं। परंतु ऐसा संदेह है कि आप धन की खोज में व्यस्त नहीं रहते। धन तो आपके पास निश्चित रूप से आएगा।

संप्रति आप चाहे जैसे भी हो सम्पत्ति उपार्जन में संलग्न रहने के कोई अधिक महत्व नहीं देते हैं। आप अपने जीवन में संतोषप्रद समय व्यतीत करेंगे। आपकी स्पष्टवादिता एक नाटकीय संबंध स्थापित करेगा। तथापि आप अपने आरामदायक जीवन व्यतीत करने के लिए वास्तविक लाभांश प्राप्त करने हेतु समर्थ हैं। आप अपने एवं अपने पारिवारिक आवश्यक आवश्यकता हेतु उपयुक्त साधन प्राप्त कर लेंगे।

आप कठिन श्रम साध्य की साधना से भिन्न हैं तथा यह जानते हैं कि अपनी उन्नति हेतु अपने मालिक का किस प्रकार प्रसन्न एवं अनुकूल रखा जाएगा। आप धन्नादि से संपन्न एवं आपकी स्मरण शक्ति विशाल है तथा आप शुद्ध चित्त से किसी भी विषय पर विचार करते हैं। आप में ऐसी संगठनात्मक क्षमता विद्यमान हो सकती है कि किसी भी बड़े कार्य को दिन प्रतिदिन संचालन हेतु कैसा नेतृत्व चाहिए। तथापि आप ऊपर से आधुनिक मेधावी हैं। आप गंभीर रूप से मूल विचार को सुगमता पूर्वक कार्यान्वित करने के लिए पर्याप्त हैं।

इस संदर्भ में ऐसा ज्ञात होता है कि आप अभाग्यता से युक्त होकर भी भाग्यशाली हैं। अभाग्यता की भूमिका आपके स्वास्थ्य से युक्त है। इसमें संदेह नहीं है कि आपका जीवन उत्तम, सुखद एवं आनंददायक होगा। परंतु आपकी शक्ति सीमित रोगादि के कारण शक्ति क्षीण हो जाएगी। इस प्रकार निःसंदेह ऐसा लगता है कि आपको किसी भी रोग से निरोग होने में कुछ समय लग जाएगा। इसलिए आपको इस विंदु पर विचार करना चाहिए कि इस प्रकार के कार्य-कलाप को परित्याग कर देना चाहिए। जिसके प्रभाव से आप रोगग्रस्त हो जाएं तथा शीघ्रता पूर्वक आपको चिकित्सक का परामर्श लेना चाहिए।

कुंभ राशीय प्रभाव से ऐसा संदेह है कि आपको छूआ-छूत अथवा विषाणुयुक्त रोग हो सकता है। ऐसा हो सकता है कि गले का रोग, दांत या आंखों में दिक्कते आ सकती हैं। आपको अपने जीवन की 15 वें 23 वें एवं 29 वें वर्ष में इसके संबंध में ध्यान देकर स्वास्थ्य रक्षा हेतु सतर्क रहना चाहिए।

आप धार्मिक प्रवृत्ति के प्राणी हैं। आप में ऐसा गुण विद्यमान है कि सांसारिक सुखों से युक्त रहकर सुखद जीवन का विस्तार करेंगे। बल्कि आप अपने परिवार के साथ संयुक्त रह कर भी आप स्वतः धार्मिक कार्यों से संलग्न रहेंगे। परंतु वास्तव में आप मानवीय भावनाओं एवं समर्पित भाव से अपनी पत्नी एवं अपनी संतान से संबंधित रहेंगे।

आप अपनी प्रतिभा एवं प्रवृति के अनुसार संबंधित कार्य-व्यवसाय का चयन कर धन प्राप्ति करेंगे। अतएव आप कंपनी के कार्यकारी अधिकारी पद, वैज्ञानिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, प्रोफेसर एवं शैक्षणिक सलाहकार, विधि एवं धन संबंधी कार्य-कलाप आपके लिए लाभदायक होगा। आयात-निर्यात् कार्य-व्यवसाय भी सर्वथा आपके लिए अनुकूल हो सकता है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन शनिवार, एवं शुक्रवार का दिन अनुकूल प्रमाणित है। आपके लिए शेष तीन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

अंकों में आपके हित अनुकूल एवं भाग्यशाली अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंकों का त्याग करना आपके लिए उत्तम है।

आप रंगों में नारंगी, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करें एवं आपके लिए सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग उत्तम एवं संतोषप्रदायक है।